प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
16.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राहत व पुनर्वास कार्यों के लिए केन्द्र सरकार से उदार वित्तीय सहायता का आग्रह किया है। नई दिल्ली में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारी वर्षा और भूस्खलन से अब तक लगभग एक हजार करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्रदेश को करीब 21 हजार करोड़ का नुकसान हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृहमंत्री ने केंद्रीय टीम के निरीक्षण के बाद हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

गृहमंत्री जी ने हमें कहा कि मैं आने वाले समय में खुद भी हिमाचल का दौरा करूंगा और निश्चित तौर पर ये जो डिजास्टर हो रहा है उन्होंने अपने कंसर्न सैक्रेटरी को ये बोला कि जो क्लाउड बर्सटिंग हो रही है इस सबकी एक स्टडी करवाने की जरूरत है और क्लाइमेट चेंज के जो प्रभाव पड़ रहे हैं हिमाचल प्रदेश छोटे से राज्य में तो उस दृष्टिकोण से उसे दिखाने की जरूरत है तो एक केंद्रीय टीम जल्दी ही हिमाचल प्रदेश के दौरे पर जाएगी। जो अध्ययन करेगी क्लाउड बर्सटिंग का भी अध्ययन करेगी और जो डिजास्टर से नुकसान हुआ उसका भी अध्ययन करेगी और उसके बाद एक स्पेशल रीलिफ पैकेज की मैंने बात की है। तो माननीय गृहमंत्री ने कहा कि हमारी केंद्रीय टीम आकर जब हमें रिपोर्ट देगी तो उसके बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे।

शांडिल

स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल ने मंडी जिला के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के स्याठी और आसपास के अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों का कल दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को नुकसान का सही आकलन कर राहत राशि समय पर प्रभावितों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने धर्मपुर आदर्श नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। उन्होंने इस अस्पताल में विभिन्न सुविधाओं के लिए 47 लाख रूपए की राशि भी स्वीकृत की।

सेब सीजन

किन्नौर जिला उपायुक्त अमित कुमार शर्मा ने सेब सीजन के दृष्टिगत संबंधित विभागों को सभी कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। रिकांगपिओ में एक बैठक में उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़क मार्गों की बहाली पर विशेष ध्यान देने को कहा ताकि समय पर सेब मंडी तक पहुंच सके। उन्होंने बागवानों से भी अपनी सेब की पेटियों का बीमा करवाने की अपील की ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में बागवानों को उनकी फसल का लाभ मिल सके।

मौसम

प्रदेश में मानसून सक्रिय बना हुआ है और अधिकांश क्षेत्रों में बीती रात भी वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी रहा। इस बीच मौसम विभाग ने 20 जुलाई तक किन्नौर और लाहौल स्पीति जिलों को छोड़कर अन्य सभी जिलों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता।

हिमाचल प्रदेश में बीते 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश शिमला के जुब्बड़हट्टी में 60 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश और भूस्खलन से पूरे प्रदेश में यातायात, बिजली और पानी की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। प्रदेश में 199 सड़कें बंद पड़ी हैं, 68 बिजली ट्रांसफार्मर और 171 पेयजल योजनाएं भी काम नहीं कर पा रही हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने बताया है कि हिमाचल के 22 स्थानों पर भूस्खलन का गंभीर खतरा बना हुआ है। इनमें मंडी जिले के 15, कांगड़ा के 4, शिमला के 2 और सोलन जिले में एक स्थान शामिल है। इन सभी स्थानों पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में फौरन कदम उठाए जा सकें। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज चम्बा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

रितेश कपूर आकाशवाणी समाचार शिमला।

सुर्खियां समाचार पत्रों से

अमर उजाला की सुर्खी है **हिमाचल सरकार ने संचालन के कड़े किए नियम–न लीज पर लिए भवन में, न फ्लैट में चलेंगे होम स्टे।**

दैनिक जागरण की एक खबर है **गडकरी ने दिए भुभु जोत सुरंग की डीपीआर बनाने के निर्देश।**

मुख्यमंत्री के हवाले से दैनिक भास्कर लिखता है **आपदा प्रभावित सड़कों को पीएम गति शक्ति योजना में शामिल करे केंद्र।**

दिव्य हिमाचल की एक खबर है **मंडी के एक सौ 13 स्कूल आपदा में बर्बाद, करोड़ों का नुकसान।** पंजाब केसरी के अनुसार **16 दिन बाद भी सराज के एक चौथाई भाग में ब्लैकआउट, 50 से अधिक सड़कें बाधित।**